तापमान

अधिकतम 29.0 डिग्री
न्यूनतम 14. 0 डिग्री

हरिभूमि
जांजगीर-चांपा भूमि

बिलासपुर, शुक्रवार, 23 जनवरी 2026

अकलतरा | बलौदा | नवागढ़ | पामगढ़ | मालखरौदा | जैजैपुर | डभरा | सक्ती

टोकन कटने की समस्या से जूझ रहे किसानों के बीच पहुंचे विधायक, बातचीत कर सुनी पीड़ा

2

खबर संक्षेप

अवैध रेत उत्खनन व परिवहन पर कार्रवाई नवागढ़ क्षेत्र से दो हाईवा वाहन किया जब्त

जांजगीर-चांपा। अवैध रेत उत्खनन व परिवहन पर पुलिस व खनिज विभाग ने कार्रवाई करते हुए नवागढ़ क्षेत्र से दो हाईवा को जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार संयुक्त टीम द्वारा नवापारा-केवा रेत घाट क्षेत्र में दबिश देकर अवैध रूप से रेत का परिवहन करते हुए रेत से भरे दो हाईवा वाहनों को मौके पर पकड़ा गया। दोनों वाहनों को तत्काल प्रभाव से जप्त कर लिया गया है। प्रकरण में संबंधित हाईवा वाहन चालकों एवं मालिकों के विरुद्ध गौण खनिज अधिनियम एवं अन्य प्रासंगिक विधिक प्रावधानों के तहत इस्तगाशा तैयार कर कार्रवाई की जा रही है। कार्रवाई में निरीक्षक कमलेश सेंडे, थाना प्रभारी नवागढ़, एवं खनिज विभाग की टीम का सराहनीय योगदान रहा।

तीन जुआरी गिरफ्तार, 25 सौ रुपए नकद व ताश की गड्डी जब्त

जांजगीर-चांपा। ग्राम नवगंवा में जुआ खेल रहे तीन जुआरियों को गिरफ्तार किया गया है। वहीं उनके कब्जे से 25 सौ रुपए नगद व ताश बरामद किया गया है। थाना बलौदा पुलिस द्वारा 21 जनवरी की देर संध्या ग्राम नवगंवा में रेड कार्रवाई करते हुए जुआ खेलते हुए तीन आरोपियों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया। पुलिस द्वारा मौके से 25 सौ रुपये नगद एवं 52 पत्ती ताश जब्त की गई। आरोपियों के विरुद्ध छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 की धारा 3(2) के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस ने सुकांत विश्वास, निवासी खैजा, शशांक कहरा जांजगीर, मोहनलाल मधुकर निवासी बोकरेल थाना बलौदा को नवगंवा में जुआ खेलते पकडे गया है।

पामगढ़ के स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल का मामला

मध्यान्ह भोजन के बाद बिगड़ी बच्चों की तबीयत, दर्जन भर पहुंचे अस्पताल

हरिभूमि न्यूज ⏭ जांजगीर-पामगढ़

अस्पताल में भर्ती बच्चे।

पामगढ़ के स्वामी आत्मानंद गवर्नमेंट एक्सीलेंस इंग्लिश मीडियम स्कूल में मध्यान्ह भोजन करने के बाद बच्चों की तबीयत अचानक बिगड़ गई। उन्हें उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र ले जाया गया, जहां उपचार के बाद सभी को आब्जर्वेशन पर रखा गया है। सभी की स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है।

इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार गुरूवार 22 जनवरी को पामगढ़ के स्वामी आत्मानंद इंग्लिश स्कूल में हमेशा की तरह बच्चे मध्यान्ह भोजन कर रहे थे। इसी बीच कुछ बच्चों की तबीयत बिगडने लगी। सूचना मिलते ही स्कूल के प्राचार्य और शिक्षक सकते में आ गए। उन्होंने तत्काल बच्चों से जानकारी ली तो पता चला कि आचार का स्वाद कुछ ठीक नहीं है। कुछ देर में और भी बच्चों ने तबीयत बिगडने की बात कही। ऐसे में प्राचार्य ने उच्चाधिकारियों को सूचना दी। सूचना मिलते ही डॉक्टरों के साथ प्रशासनिक अधिकारियों की टीम पहुंच गई। मौके पर पहुंचे डॉक्टर हेमंत लहरे ने परीक्षण के उपरांत सभी बच्चों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पामगढ़ भेजा, वहां प्राथमिक परीक्षण व उपचार के बाद बच्चों को छुट्टी दे दी गई, जबकि दर्जन भर बच्चों को भर्ती करके 24 घंटे के लिए आब्जर्वेशन पर रखा। सभी की स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है। इधर पामगढ़ एसडीएम देवेन्द्र चौधरी ने पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली और चिकित्सकों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इसके अलावा स्कूल प्रबंधन को भी आवश्यक दिशा निदेश दिए। बताया जाता है कि मौके पर पहुंचे फूड इंस्पेक्टर ने बच्चों को परोसे गए आचार के डिब्बे को सील कर जप्त कर लिया। जिसे परीक्षण के लिए भेजा गया है। जिसकी रिपोर्ट दो से तीन दिन में आ जाएगी। अस्पताल में लगभग एक दर्जन से अधिक बच्चे पहुंचे थे। जिसमें कुछ बच्चों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी। जबकि 12 बच्चों का उपचार किया गया। बच्चों ने बताया कि आज मध्यान्ह भोजन में पत्ता गोभी की सब्जी बनाई गई थी। जिसके साथ अचार परोसा गया था। फिलहाल बच्चों की तबीयत किस वजह से बिगड़ी यह रिपोर्ट के बाद ही पता चल पाएगा।

चल रहा उपचार

मध्यान्ह भोजन करने के बाद स्वामी आत्मानंद स्कूल के 12 से अधिक बच्चों की तबीयत बिगड़ गई। जिसके बाद मौके का निरीक्षण किया गया। इस बीच बच्चों को उनकी स्थिति के आधार पर सीएचसी पामगढ़ में भर्ती किया गया, जहां उनका उपचार किया जा रहा है।

-डॉ. रश्मि डाहिरे,
बीएमओ, पामगढ़

राइस मिल में अफसरों की दबिश, रिकार्ड के अनुसार नहीं मिला धान व चावल, किया सील

सक्ती जिले के पोता में हुई कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ सक्ती

समर्थन मूल्य पर चल रही धान खरीदी के अंतिम दिनों में अफसरों की टीम लगातार दबिश दे रही है। इसी कड़ी में सक्ती जिले के पोता में राईस मिल की जांच की गई, जहां रिकार्ड के अनुसार धान व चावल नहीं होने पर मिल को सील किया गया।

धान खरीदी नोडल अधिकारी एवं जिला पंचायत सीईओ वासु जैन, खाद्य अधिकारी तथा जांच दल द्वारा विकासखंड मालखरौदा अंतर्गत ग्राम पोता का हनुमान जी राइस मिल का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान रिकॉर्ड के अनुसार जहां लगभग 12,900 क्विंटल धान एवं चावल का भंडारण होना था, वहीं जांच में 321 क्विंटल अतिरिक्त पाया गया। इसे गंभीर अनियमितता मानते हुए प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई करते हुए हनुमान जी राइस मिल, पोता को सील कर दिया। इस बड़ी कार्यवाही से धान खरीदी में गड़बड़ी करने वालों में हड़कंप मच गया है और स्पष्ट संदेश दिया गया है कि नियमों से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। जिला प्रशासन द्वारा जिले के सभी धान खरीदी केंद्रों सहित अन्य सभी स्थलों की 24 घंटे सतत निगरानी की जा रही है। धान खरीदी में अनियमितता करने वाले तत्वों में भय का माहौल बना हुआ है। कलेक्टर, जिला पंचायत सीईओ, धान खरीदी नोडल अधिकारी, एसडीएम, तहसीलदार एवं अन्य जिला स्तरीय अधिकारी दिन-रात औचक निरीक्षण कर खरीदी व्यवस्था, टोकन सत्यापन, भंडारण, गुणवत्ता, स्टॉक एवं दस्तावेजों की बारीकी से जांच कर रहे हैं।

राईस मिल का निरीक्षण करने पहुंचे अफसर।

धान खरीदी में लापरवाही, नोडल अधिकारी निलंबित

जांजगीर-चांपा। धान खरीदी कार्य के दौरान लापरवाही बरतने व लगातार अनुपस्थित रहने पर धान उपार्जन केन्द्र हरदी तहसील अकलतरा के नोडल अधिकारी को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया है। उपार्जन केंद्रों में खरीदी कार्य सुचारू रूप से संचालित किये जाने हेतु नोडल अधिकारी एवं सहायक नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। जारी आदेश में धान उपार्जन केन्द्र हरदी तहसील अकलतरा के नोडल अधिकारी सुनील राव, सहायक आंतरिक लेखा परीक्षण एवं करारोपण अधिकारी के खरीदी कार्य से लगातार अनुपस्थित मिलने पर नायब तहसीलदार अकलतरा के द्वारा जांच प्रतिवेदन 21 जनवरी मय पंचनामा प्रस्तुत किया गया। प्रभारी अधिकारी खाद्य शाखा के द्वारा उनके मोबाइल पर फोन करने पर उनके द्वारा गैर जिम्मेदाराना जवाब दिया गया एवं व्हाट्सअप के माध्यम से अनर्गल एवं अशोभनीय टिप्पणी की गई है। श्री राव का उक्त आचरण सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 के प्रावधानों के विपरीत है तथा राज्य शासन एवं वरिष्ठ कार्यालय के आदेशों की स्पष्ट अवहेलना तथा अनुशासनहीनता, स्वेच्छाचारिता का परिचायक है। उनके इस कृत्य से उपार्जन केन्द्र हरदी तहसील अकलतरा में खरीदी कार्य गंभीर रूप से प्रभावित हुआ है। कार्यालय कलेक्टर द्वारा जारी आदेश में सुनील राव, सहायक आंतरिक लेखा परीक्षण एवं करारोपण अधिकारी जनपद पंचायत अकलतरा को छग सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 के नियम-3 (क-1, 2, 3) के प्रावधानों के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाता है। निलंबन अवधि में इनका मुख्यालय मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत जिला जांजगीर-चांपा निर्धारित किया जाता है तथा इन्हे निलंबन अवधि में नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी।

SHREE SHIVAM'S
4 DAY REPUBLIC DAY MEGA OFFER
23RD TO 26TH JANUARY

FLAT 50% OFF
CRIMSOUNE CLUB · madame · ARROW USA·1851 · BLACKBERRYS · FLYING MACHINE · IZOD · Levi's · LINEN CLUB · MONTE CARLO · MUFTI · PONTIAC · RARE RABBIT · spykar · THE COLLECTION · WHITE HANGER

UP TO 50% OFF
CRIMSOUNE CLUB JUNIOR · GINI & JONY · KILLER JUNIOR · MINI KLUB · SHLOK · aurelia · WISHFUL · KAZO · RAREISM · VERO MODA · Calvin Klein Jeans · GAS · INDIAN TERRAIN · JACK & JONES · Pepe Jeans LONDON · PUMA · TOMMY HILFIGER · UNITED COLORS OF BENETTON. · U.S. POLO ASSN. KIDS
AND KIDS WEAR

UP TO 40% OFF
SWEET DREAMS · ColorPlus · LP LOUIS PHILIPPE · ROOKIES · VANHEUSEN

REPUBLIC DAY MEGA DEALS
SAREE • KURTI • LAHENGA • EVENING GOWN • INDO-WESTERN • READYMADE SUITS & KIDS WEAR
ON SELECTED ARTICLES

*T&C Apply

रायपुर: जीवन बीमा मार्ग, पंडरी रोड
बिलासपुर: अग्रसेन चौक, लिंक रोड
दुर्ग: संतरा बड़ी, स्टेशन रोड

SHREE SHIVAM
THE TOGETHERNESS STORE
MEN | WOMEN | KIDS WEAR

रायपुर • बिलासपुर • दुर्ग • नागपुर • भोपाल • जबलपुर • छिंदवाड़ा
Follow us on shreeshivamclothing shreeshivm 7222955555
Donate Organ. Donate Life. | AMPLE PARKING SPACE

हर देश का अपना एक राष्ट्रगान, राष्ट्रीय ध्वज होता है। साथ में राष्ट्रगीत और कुछ राष्ट्रीय प्रतीक भी होते हैं। इसके साथ राष्ट्रीय पशु-पक्षी और फूल भी होते हैं। इन सबके बारे में नंदन को उसकी दीदी, मां-पिता और टीचर ने विस्तार से जानकारी दी। इनके बारे में जानकर नंदन को अपने देश पर बड़ा गर्व महसूस हुआ। बच्चो, तुम भी जानो इन सबके बारे में।

देश की शान-पहचान हमारे राष्ट्रीय प्रतीक

ज्ञान वार्ता
विमला भंडारी

नंदन को स्कूल से पुस्तकें मिली थीं। वह बिस्तर पर लेटा हुआ उन्हें उलट-पुलट कर देख रहा था। पुस्तक के अंतिम पृष्ठ पर लिखी पंक्तियां वह गुनगुनाने लगा, 'जन-गण-मन अधिनायक जय हे भारत भाग्य विधाता...।'

राष्ट्रगान का करो सम्मानः नंदन के कमरे के सामने से गुजरती दीदी ने जब अपने छोटे भाई को लेटे-लेटे राष्ट्रगान गाते सुना तो उन्होंने टोका, 'नंदन, यह क्या? राष्ट्रगान को इस तरह लेटकर नहीं गाया जाता।' 'क्यों

दीदी?' नंदन ने उठकर बैठते हुए उत्सुकतापूर्वक दीदी से पूछा। 'अरे, तुम्हें इतना भी नहीं पता! राष्ट्रगान को हमेशा सावधान की मुद्रा में खड़े होकर खुले आसमान के नीचे राष्ट्रध्वज के सामने गाया जाता है।' दीदी ने बताया। 'अगर लेटकर, बैठकर या चलते हुए गाएं तो दीदी?' नंदन ने आगे पूछा। 'नहीं, इससे हमारे राष्ट्रगान का अपमान होता है। राष्ट्रगान का सम्मान करना हमारे देश प्रेम की भावना को प्रकट करता है। अब कभी-भी कहीं भी चलते या बैठे हुए तुम्हारे कानों में यदि राष्ट्रगान की धुन भी सुनाई पड़ जाए, तो तुरंत वहीं ठहरकर सावधान की मुद्रा में खड़े हो जाना। फिर गान की समाप्ति पर श्रद्धा से शीश झुका देना, यह तुम्हारा मातृभूमि को किया गया नमन होगा।' दीदी ने नयन को समझाया।

'ओह दीदी! अनजाने में कितनी बड़ी गलती कर बैठा मैं।' नयन ने अपने माथे पर हाथ रखते हुए कहा। 'अच्छा नंदन, अब मैं चलती हूं। आज शाम को मैं तुम्हें राष्ट्रीय चिन्हों से संबंधित बातें बताऊंगी। अभी मुझे अपने स्कूल जाना है। तुम तो देर से निकलोगे, क्योंकि तुम्हारा स्कूल तो पास में ही है।' दीदी ने अपना बैग समेटते हुए कहा और नंदन को 'बाय' करके अपने स्कूल चली गईं।

जानो अपने राष्ट्रीय चिन्हः दीदी की बातें सुनकर नंदन की उत्सुकता बढ़ गई थी। वह दौड़ा-दौड़ा मां के पास आकर बोला, 'मां-मां, मुझे राष्ट्रीय चिन्हों के बारे में बताओ न!'

'अभी बताती हूं, पहले मेरे पर्स से एक नोट लेकर आओ।' मां बोलीं। नंदन ने मां को एक नोट लाकर दिया। मां बताने लगीं, 'यह देखो नंदन, हमारा राष्ट्रीय चिन्ह जो कि वाराणसी के पास सारनाथ में सम्राट अशोक द्वारा बनाए गए 'सिंह स्तंभ' से लिया गया है। और ये देखो, नीचे की इस चौरस पट्टी के बीच एक चक्र बना हुआ है, जिसके दाईं ओर सांड और बाईं ओर घोड़े का चित्र बना हुआ है। बीच में देखो, 'सत्यमेव जयते' लिखा हुआ है, जो हमारे राष्ट्र का आदर्श वाक्य भी है।

'सत्यमेव जयते' का अर्थ है-सत्य की हमेशा विजय होती है। यही चक्र तुम तिरंगे झंडे में भी देखते हो...।' मां ने बताया।

तीन रंगों वाला हमारा राष्ट्रीय ध्वजः बात जब तिरंगे झंडे की आई तो नंदन झट से बोला, 'हां मां, झंडे के तीनों रंग मुझे मालूम हैं। सबसे ऊपर केसरिया, बीच में सफेद और नीचे हरा।'

'हां, राष्ट्रीय ध्वज की सफेद पट्टी पर नीले रंग का यह चक्र बना हुआ है। जिसे अशोक चक्र कहते हैं। यह हमारी प्रगति का सूचक है। तिरंगे के सभी रंग अपने अंदर संदेश समाहित किए हुए हैं।' तभी पापा ने उसे अपने पास बुलाया, 'इधर आओ नंदन, मैं तुम्हें बताता हूं।' पापा ने नंदन को अपने बगल में बैठाया और बोले, 'झंडे के ऊपर का केसरिया रंग हमारी वीरता का प्रतीक है। यह रंग हमें संदेश देता है कि हम हमारे वीरों

की भांति अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहें। सफेद रंग शांति का प्रतीक है, जो विश्व में शांति का संदेश देता है। हरा रंग हमारी समृद्धि और खुशहाली का प्रतीक है।' नंदन ने अपने पापा की सारी बातें बहुत ध्यान से सुनीं। उसके स्कूल जाने का समय हो चुका था, तैयार होकर वह स्कूल के लिए निकल पड़ा।

राष्ट्रगान और राष्ट्रीय गीत के रचयिताः नंदन स्कूल आया तो वहां प्रार्थना के बाद राष्ट्रगान गाया गया। अपनी क्लास में पहुंचकर नंदन सभी बच्चों को राष्ट्रीय चिन्ह और ध्वज के बारे में बताने लगा। इतने में क्लास टीचर ने प्रवेश किया। उन्होंने अंदर आते समय नंदन की कुछ बातें सुन ली थीं। सभी बच्चों ने खड़े होकर उनका अभिवादन किया। 'अच्छा बच्चो, क्या तुम बता सकते हो कि हमारे राष्ट्रगान के रचयिता कौन थे?' क्लास टीचर के इस प्रश्न पर पूरी कक्षा मौन हो गई। टीचर ने बताया, 'रवींद्रनाथ टैगोर, राष्ट्रगान के रचयिता थे। उन्होंने यह गीत 1912 में लिखा तथा इसे राष्ट्रगान के रूप में 24 जनवरी 1950 को स्वीकार किया गया। इसी तरह बंकिम चंद्र चटर्जी द्वारा रचित गीत 'वंदे मातरम्' को राष्ट्रीय गीत के रूप में मान्यता मिली है।'

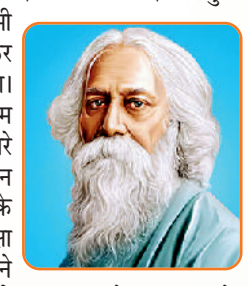

अपने राष्ट्र के महत्व की इतनी सारी रोचक और महत्वपूर्ण जानकारी पाकर नंदन, बहुत खुश और गौरवान्वित महसूस कर रहा था। *

राष्ट्रीय पक्षी, पशु और फूल

घर आने के बाद नंदन दीदी के स्कूल से लौटने का इंतजार करने लगा। वह सोच रहा था कि आज मालूम पड़ी सारी नई जानकारियां बताकर दीदी को चौंका देगा। लेकिन हुआ इसका उल्टा। जब दीदी ने उससे राष्ट्रीय पक्षी, राष्ट्रीय पशु और राष्ट्रीय फूल के बारे में पूछा तो वह नहीं बता पाया। अभी इनके बारे में तो जानना बाकी ही था! दीदी ने नंदन को बड़े प्यार से बताया कि अपना राष्ट्रीय पक्षी मोर, राष्ट्रीय पशु बाघ और राष्ट्रीय फूल कमल है।

कविता / सूर्यकुमार पांडेय

धम्मक-धम्मक-धम

आई है छब्बीस जनवरी,
खुशियों का आलम।
लहर रहा हर ओर तिरंगा,
फहर रहा परचम।
धम्मक-धम्मक-धम।
धम्मक-धम्मक-धम।
संविधान की रक्षा की,
खाते हैं आज कसम।
'जन-गण-मन' के साथ गा रहे,
'वंदे मातरम्' हम।
धम्मक-धम्मक-धम।
धम्मक-धम्मक-धम।
देश हमारा दिन-दिन विकसित,
करें सभी परिश्रम।
शांति-अहिंसा वाला मौसम,
बना रहे हरदम।
धम्मक-धम्मक-धम।
धम्मक-धम्मक-धम।

कविता / राजेंद्र श्रीवास्तव

गाओ वंदे मातरम्

गाओ वंदे मातरम्
गाओ वंदे मातरम्।
राष्ट्रगीत के बोल निराले।
मन में ओज जगाने वाले।
मनभावन लय स्वर सरगम।
गाओ वंदे मातरम्।
जननी जन्मभूमि की जय हो।
जग में यश अनंत अक्षय हो।
सुखदाई शुभ सुंदरम्।
गाओ वंदे मातरम्।
आओ मिलकर कदम बढ़ाएं।
भारत माता का यश गाएं।
ध्वज निर्भय फहराएं हम।
गाओ वंदे मातरम्।

तुम्हारे लिए नई किताब / विज्ञान भूषण

देशभक्ति बाल कविताएं

बच्चो, हाल में छपकर आई 'हम हैं सैनिक भारत के' किताब में 101 देशभक्ति की भावना से भरी हुई कविताएं संकलित हैं। इसके रचनाकार डॉ. वेद मित्र शुक्ल हैं। इस किताब में ज्यादातर कविताएं, भारत के वीर सैनिकों, स्वाधीनता सेनानियों और भारतीय सेना के अदम्य साहस पर लिखी गई हैं। पहले खंड में तुम उन परमवीर चक्र विजेता सैनिकों के बारे में कविताएं पढ़ सकते हो, जिन्होंने अलग-अलग युद्धों में अदम्य वीरता का परिचय दिया। इनके अलावा वीर सेनानी महापुरुष, भारत की सेनाएं, राष्ट्रीय पर्व, प्रयाण गीत समेत कुछ अन्य खंडों में भी ओज से भरी अनेक देशभक्ति की कविताएं पढ़ सकते हो। बच्चो, इस किताब में संकलित देशप्रेम में रंगी इन प्यारी-प्यारी कविताओं को पढ़कर निश्चित ही तुम्हारे मन में देशभक्ति की भावना का संचार होगा। तुम भी अपने देश के विकास और उसकी सुरक्षा में अपना योगदान देने के लिए प्रेरित होगे। *

किताबः हम हैं सैनिक भारत के (बाल कविताएं), **लेखकः** डॉ. वेद मित्र शुक्ल, **मूल्यः** 395 रुपए, **प्रकाशकः** सर्वभाषा प्रकाशन, नई दिल्ली

बूझो तो जानें

1 वर्ष के प्रथम माह में आती,
धूमधाम से मनाई जाती,
लागू हुआ इस दिन संविधान,
बढ़ाया हमारा मान-सम्मान।

2 तिरंगे की जो शोभा बढ़ाए,
गतिशीलता का प्रतीक बन जाए,
चौबीस तीलियां जिसमें समाएं,
बताओ बच्चो, वह क्या कहलाए।

3 एक रंग है साहस का,
दूजा शांति का कहलाता,
तीजा रंग है उर्वरता का,
देश की शान है माना जाता।

-नलिन खोईवाल

उत्तर : 1. 26 जनवरी, 2. अशोक चक्र, 3. तिरंगे के तीन रंग- केसरिया, सफेद और हरा

जीके क्विज-189

1. इस साल गणतंत्र दिवस समारोह के मुख्य अतिथि कौन होंगे?
2. इस वर्ष कौन-सा गणतंत्र दिवस मनाया जा रहा है?
3. आज भारत के किस महान स्वाधीनता सेनानी की जयंती है?
4. भारतीय सेना दिवस कब मनाया जाता है?
5. हाल ही में सोमनाथ स्वाभिमान पर्व किस राज्य में मनाया गया?
6. भारत का संविधान किस वर्ष लागू हुआ था?
7. भारतीय संविधान की ड्राफ्टिंग कमिटी के अध्यक्ष कौन थे?
8. भारतीय संविधान में कितने मूल अधिकार शामिल हैं?
9. संविधान सभा के प्रथम अध्यक्ष कौन थे?
10. राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' किसने लिखा था?

बच्चो, जीके क्विज-189 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें **balbhoomihb@gmail.com** पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-188 का उत्तर : 1.उत्तर प्रदेश, 2.सोजर्ड मारिजने, 3.जस्टिस सूर्यकांत, 4.दिल्ली, 5.अल्बर्ट आइंस्टाईन, 6.अमेजन वर्षा वन, 7.महाराष्ट्र, 8.जम्मू कश्मीर, 9.सहारा, 10.जवाहरलाल नेहरू

जीके क्विज-188 का सही उत्तर देने वाले : कबीर-हिसार, ऊर्जस्वी-सारंगढ़ बिलाईगढ़, शुभम-दुर्ग, गुंजा-रायपुर, सचिन-बिलासपुर, हर्ष-रोहतक, रचित-बिलासपुर, काव्या-बेमेतरा, सूरज-रायगढ़, किंशुक-महासमुंद, प्राची-बालोद

कहानी
डॉ. अलका जैन 'आराधना'

हर साल वसंत पंचमी उत्सव में सबसे आगे रहने वाला सोहम इस बार शांत था। कॉलोनी के पार्क में बच्चे वसंत उत्सव की तैयारी में लगे थे। वे रंग-बिरंगे रिबन, पीले फूलों की झालरें लगा रहे थे, लेकिन सोहम के भीतर कोई उमंग-उत्साह नहीं दिख रहा था। यह देखकर आयुष ने पूछा, 'अरे सोहम, वसंत पंचमी का त्योहार है और तुम ऐसे उदास क्यों हो?'

सोहम नजरें झुकाते हुए बोला, 'ऐसा कुछ नहीं है, बस यूं ही शांत हूं।'

सारा तुरंत बोली, 'ऐसा कुछ नहीं क्या..? तुम तो वसंत पंचमी उत्सव में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हो। याद है, पिछले साल तुमने सबसे बड़ी रंग-बिरंगी पूंछ वाली पतंग उड़ाई थी।' सोहम धीरे से बोला, 'इस बार मन नहीं है।' लेकिन ऐसा क्यों, उसने दोस्तों को इसकी वजह नहीं बताई।

कुछ देर बाद दोपहर में सजे पार्क में सब बच्चे नई पीली ड्रेस पहनकर चहक रहे थे। कियारा दोस्तों के बीच उछलते हुए आई और बोली, 'मुझे देखो, मेरी मम्मी ने मेरे लिए सरसों के फूल जैसी कितनी प्यारी-सी फ्रॉक बनाई है।'

अनंत हंसते हुए बोला, 'और मेरा कुर्ता भी देखो, मैं चलता हूं तो लगता है हवा लहरा रही है।' सब बच्चे खुश तो थे, लेकिन अपने बीच सोहम के ना होने की कमी उन्हें अखर रही थी। आयुष से ना रहा गया, बोला, 'कुछ गड़बड़ है। हमें पता लगाना चाहिए, सोहम आज वसंत उत्सव में आखिर क्यों नहीं शामिल हुआ?'

सारा भी बोली, 'हां, सोहम के बिना वसंत पंचमी का उत्सव फीका लग रहा है।'

कियारा बोली, 'चलो, उसके घर चलते हैं। जानते हैं कि वह वसंत उत्सव में क्यों नहीं आया?' तीनों सोहम के घर पहुंचे।

हर बार बड़े उत्साह से वसंत पंचमी का उत्सव मनाने वाले सोहम का इस बार मन सही नहीं था। असल में उसके पास पहनने के लिए पीली ड्रेस नहीं थी। दोस्तों को जब यह बात पता चली तो उन्होंने सोहम को पीले रंग की छटा से ऐसा सजाया कि वह वसंत राजा बन गया। वासंती रंग में रंगी दोस्तों की एक प्यारी-सी कहानी।

वसंत राजा

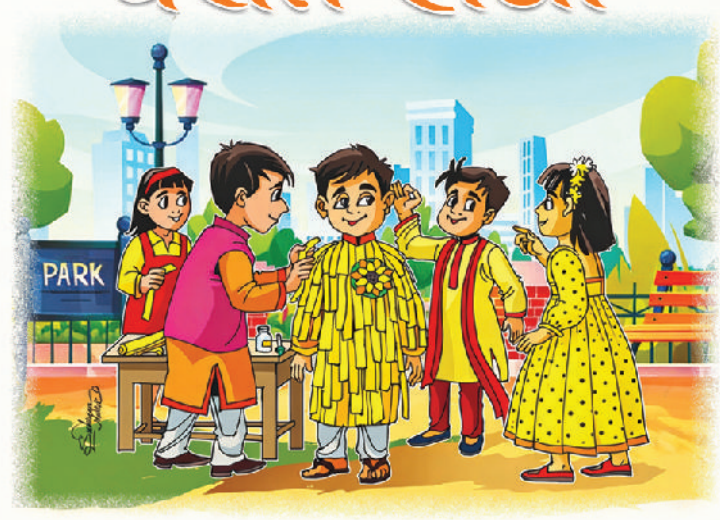

सोहम दोस्तों को देखकर चौंका, 'अरे, तुम लोग यहां!' आयुष ने आगे बढ़कर सोहम के कंधे पर हाथ रखा और प्यार से पूछा, 'सच-सच बताओ दोस्त, तुम वसंत उत्सव कार्यक्रम में क्यों नहीं आए?'

सोहम थोड़ा रुका, फिर धीमी आवाज में बोला, 'मेरे पास वसंत उत्सव में पहनने के लिए पीली ड्रेस नहीं है। इस महीने घर में बहुत ज्यादा खर्चा था, इस वजह से मम्मी-पापा ड्रेस खरीद नहीं पाए। पुरानी ड्रेस तो छोटी हो गई है। सब लोगों ने तो इतनी सुंदर-सुंदर पीली ड्रेस पहन रखी हैं। मैं अकेला पुरानी ड्रेस में बुरा लगूंगा, इसलिए नहीं आया।' सारा ने अपनी आंखें गोल-गोल घुमाईं और बोली, 'बस इतना सा कारण। अरे! तो हम लोग किसलिए हैं?'

अनंत मुस्कुराया, 'मिशन पीला सोहम शुरू!' सबसे पहले आयुष घर जाकर अपने पापा की पुरानी पीली टी-शर्ट लेकर आया। उसने पूछा, 'ये कैसी है?'

सोहम ने टी-शर्ट देखते ही कहा, 'अरे! यह तो मेरे घुटनों तक आएगी!'

सब हंसने लगे। तभी कियारा भी अपने घर भागी और अपने भाई की पीली जैकेट लेकर आई। सोहम को देकर बोली, 'यह पहन लो।' सोहम ने जैकेट पहनी। जैकेट की चेन बीच में फंस गई। सोहम बोला, 'इसके अंदर तो मेरी सांसें बंद हो जाएंगी।'

अनंत बोला, 'रुको, मेरे पास आइडिया है।' यह कहते हुए वह बहुत तेजी से अपने घर की ओर भागा और पीले रिबन, पीला चार्ट पेपर, ग्लिटर और स्टार स्टिकर्स लेकर लौटा। सारा उछल पड़ी, 'वाह! अब हम स्वयं बनाएंगे वसंत राजा सोहम की वसंत पंचमी ड्रेस। सबसे यूनिक ड्रेस होगी यह।'

कॉलोनी के पार्क की बेंच पर बैठकर बच्चों ने ड्रेस डिजाइनिंग शुरू की।

अनंत ने पीले-पीले रिबन काट-काटकर उसके कंधों पर लगाए। कियारा ने उसके सीने पर एक सूरजमुखी के शेप का ब्रोच भी लगा दिया।

सारा ने ग्लिटर से लिखा-वसंत राजा। सोहम ने जब अपनी नई ग्लिटरी थोड़ी टेढ़ी और चमकदार ड्रेस पहनी तो वह आश्चर्यचकित रह गया, बोला, 'सच में क्या मैं वसंत राजा लग रहा हूं?'

आयुष बोला, 'अरे, तुम राजा क्या चलती-फिरती वसंत की बहार हो!'

सब खिलखिला कर हंस पड़े।

वसंत पंचमी कार्यक्रम शुरू हुआ। मंच पर ड्रेस शो के लिए बच्चों को बुलाया जाने लगा। एनाउंसर ने एनाउंस किया, 'और अब आ रहा है हमारा वसंत का राजा!'

स्पॉटलाइट जैसे ही सोहम पर पड़ी लोग उछल पड़े। कार्यक्रम स्थल तालियों से गूंज उठा। एक अंकल बोले, 'इतनी क्रिएटिव ड्रेस डिजाइनिंग किसने की है?'

आयुष, सारा, अनंत और कियारा एक साथ बोले, 'हमने!' फिर सोहम ने माइक पर आकर बताया, 'मेरे दोस्तों ने मुझे अहसास कराया कि त्योहार पर दोस्त साथ हों तो कभी कोई फीका नहीं पड़ सकता। खुशियों से खिल उठता है।'

इसी बीच जजेस ने ऐलान किया, 'वसंत पंचमी की बेस्ट ड्रेस का पुरस्कार सोहम को मिलेगा।'

पूरा कार्यक्रम स्थल एक बार फिर तालियों से गूंज उठा। बच्चे भी खुशी से नाच उठे। *

कविता
डॉ. नागेश पांडेय 'संजय'

लो, वसंत की ऋतु आई है!

लगे परी-सी धरती रानी,
देख इसे होती हैरानी।
निखर उठी है अजब छटा से
आज अनोखी प्रकृति सुहानी।
पेड़ झूमते हैं मस्ती में,
डाली-डाली बौराई है।
लो वसंत की ऋतु आई है।
फूलों से लद गए बगीचे,
भौंरे फिरते आंखें मींचे।
यों लगता है जैसे अंबर,
भू पर भर-भर खुशी उलीचे।
शब्द सरीखे इस मौसम का
रंग-ढंग सब सुखदाई है।
लो, वसंत की ऋतु आई है।
नाच रही गेहूं की बाली,
झूम रही सरसों मतवाली।
देख नजारा पौध चने के
हंस-हंस बजा रहे हैं ताली।
कोयलिया का गीत, हवा की
सरगम सबके मन भाई है।
लो वसंत की ऋतु आई है।

रंग भरो-194

रंग भरो-194 में दिए गए चित्र को तुम लोगों ने बहुत अच्छे से रंगकर हमें भेजा। उनमें से चुना गया सबसे अच्छा चित्र हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं। उसे रंगकर भेजने वाले बच्चे के चित्र के साथ कुछ अन्य बच्चों के नाम और चित्र भी प्रकाशित कर रहे हैं।

रशिका, जांजगीर

समृद्धि, शहडोल

धरा, रायपुर

पयोधि, अंबिकापुर

ओविया, बिलासपुर

प्रमाण, बालोद

इनके भी चित्र रहे प्रशंसनीय

भूमि-अटेली मंडी, अमोल-बेमेतरा, आशना-जांजगीर, चेतन-दुर्ग, दिशांत-महेंद्रगढ़, कल्पित-बालोद, कुहू-बिलासपुर, रेयांश-बिलासपुर, खुशी-भिवानी, कविता-कटनी, हितेश-दिल्ली, राकेश-धमतरी, अंकित-गुना, सोहम-रोहतक, हर्षिता-कोरबा

रंग भरो 195

बच्चो, इस ब्लैक एंड व्हाइट चित्र में दो बच्चे रिपब्लिक-डे के अवसर पर हमारे नेशनल फ्लैग को सैल्यूट कर रहे हैं। इस चित्र को मनचाहे रंगों से रंग कर हमें भेजो। जिस बच्चे का चित्र सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे हम **बालभूमि** में प्रकाशित करेंगे। चित्र के साथ अपनी फोटो, अपना और शहर का नाम हमें इस पते पर भेजो- संपादक - फीचर, हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सेंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली- 110035 या ई-मेल आईडी balbhoomihb@gmail.com पर मेल करो।

खबर संक्षेप

मां जगदम्बा के एक अक्षर को मंत्र के रूप में उच्चारण करने से प्राप्त होती है कृपा

बम्हनीडीह। मां जगदम्बा के एक अक्षर को मंत्र के रूप में कोई निरंतर उच्चारण करता रहे तो उनकी कृपा प्राप्त हो जाती है और अज्ञानी भी महाज्ञानी हो जाता है। उक्त बातें व्यासपीठ से आचार्य अशोक तिवारी ने दुर्गा मंदिर सिवनी में चल रहे देवी भागवत कथा के दूसरे दिवस की कथा में कहा। उन्होंने बताया कि देवदत्त का बेटा गोभिल मुनि के शाप से मूर्ख हो गया था तो उसने लोगों की निंदा का पात्र बनने के कारण वन चले गए और वहां उसने एक बड़ा संकल्प ले लिया कि हमेशा सत्य बोलूंगा। और इसी के बल पर एक घायल सुअर जब उसके आश्रम में छिपने को आया तो उसे देखकर ऐ ऐ ऐसे शब्द उनके मुख से निकला और यही शब्द जो सरस्वती का बीज मंत्र है उस बालक के जीवन में चमत्कार कर गया। देवी सरस्वती उस बालक पर प्रसन्न होकर सारी विद्या उसे प्रदान कर दी। कथा के दूसरे दिवस सत्यव्रत की कथा सुनाते हुए यह बात आचार्य ने बताया। आगे उन्होंने नवरात्र पूजा और कन्या पूजन का विस्तार पूर्वक विधान बताते हुए कहा कि दो वर्ष से दस वर्ष तक के कन्या पूजन का अलग अलग देवी के रूपों में पूजन करने से व्यक्ति को धन,धन्य के साथ जीवन के दुखों से मुक्ति और सुफल मनोरथ की प्राप्ति होती है। आगे उन्होंने नर नारायण की कथा का आख्यान सुनाते हुए कहा कि इन दोनों ने भगवती का आश्रय लेकर हिमालय पर्वत के बद्रिका क्षेत्र में कठिन तपस्या की इससे इंद्र भयभीत होकर अनेक प्रकार से विघ्न डालने का प्रयास किया लेकिन जगदम्बा की कृपा से सफल नहीं हुआ। कथा में उन्होंने मधु कैटभ की उत्पत्ति और उनके वध की कथा को विस्तार पूर्वक सुनाया। दुर्गा मंदिर में गुप्त नवरात्रि पर प्रतिदिन यह कथा चल रहा है। कथा श्रवण करने बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे है। श्रीमद् देवी भागवत कथा का का समापन बुधवार 28 जनवरी को होगा।

उपस्थित अधिकारियों को लगाई कड़ी फटकार

टोकन कटने की समस्या से जूझ रहे किसानों के बीच पहुंचे विधायक, बातचीत कर सुनी पीड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अकलतरा

सेवा सहकारी समिति पकरिया (लटिया) में टोकन कटने की समस्या से जूझ रहे किसानों के बीच गुरुवार 22 जनवरी को विधायक राघवेंद्र कुमार सिंह स्वयं पहुंचे और किसानों से सीधी बातचीत कर उनकी पीड़ा सुनी।

किसानों ने खुलकर आरोप लगाया कि पटवारी एवं राजस्व विभाग के कुछ अधिकारी घर-घर जाकर धान की कट्टियों की जानकारी लेकर रकबा समर्पण के नाम पर भय का माहौल बना रहे हैं, जिससे किसान मानसिक रूप से प्रताड़ित हो रहे हैं और धान बेचने से वंचित किए जा रहे हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए विधायक सिंह ने मौके पर उपस्थित तहसीलदार, नायब तहसीलदार प्रशांत गुप्ता, सहकारिता विभाग के अधिकारी अमर राठौर, क्षेत्र के पटवारीगण सहित राजस्व एवं अन्य विभागीय अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई और किसानों का टोकन तत्काल काटकर धान खरीदी सुनिश्चित करने के स्पष्ट निर्देश दिए। विधायक ने दो टूक शब्दों में कहा कि किसानों पर किसी भी प्रकार का दबाव बनाकर उन्हें निर्धारित मात्रा से कम धान बेचने के लिए मजबूर करना बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा, "किसान खून-पसीना बहाकर फसल उगाता है। जब वही किसान अपनी उपज बेचने जाए और उसे डराया-धमकाया जाए, तो यह सरासर अन्याय है। किसान के हक़ पर डाका डालने वालों को छोड़ा नहीं जाएगा।" उन्होंने किसानों को भरोसा दिलाते हुए कहा कि विधानसभा क्षेत्र का कोई भी किसान यदि धान बेचने से वंचित रह गया है या उसे किसी भी प्रकार की परेशानी आ रही है, तो वह सीधे उन्हें अवगत करा सकता है। इसके पश्चात विधायक राघवेंद्र कुमार सिंह ने सेवा सहकारी समिति कोटगढ़ का भी निरीक्षण किया और किसानों से बातचीत कर उनकी समस्याएं जानी। उन्होंने खरीदी केंद्र प्रभारियों को सख्त निर्देश दिए कि बिना किसी दबाव और भेदभाव के किसानों का धान खरीदा जाए तथा किसी भी तरह की मनमानी या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।विधायक की इस सख्त कार्यवाही और स्पष्ट चेतावनी से किसानों में भरोसा जगा है, वहीं अधिकारियों में हड़कंप की स्थिति बनी हुई है।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों से जानकारी लेते विधायक राघवेंद्र कुमार सिंह।

सतत लगन और मेहनत से हासिल कर सकते हैं मुकाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बिर्रा

जय भारत इंग्लिश मीडियम स्कूल बिर्रा के स्थापना का 10 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में दो दिवसीय जय भारत उत्सव का आयोजन किया गया। शुभारंभ 18 जनवरी को विद्यालय परिसर में हुआ।

प्रथम दिवस जय भारत उत्सव में विद्यालय की शैक्षणिक उपलब्धियों,

- जय भारत स्कूल में आयोजित वार्षिकोत्सव में छात्र-छात्राओं ने दी रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति

विद्यार्थियों की प्रतिभा एवं शिक्षकों के समर्पण को समर्पित रहा। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जे. पी. पुष्प उपसंचालक शिक्षा विभाग थे। अध्यक्षता श्रीमती पिलीबाई एकादशिया साहू सरपंच ग्राम पंचायत बिर्रा। विशिष्ट अतिथि के रूप में एस. के. तिवारी सेवानिवृत्त शिक्षक , गीता प्रसाद तिवारी भागवत आचार्य, दिनेश कुमार चंद्रा, एल आर साहू, बीएल सागर, संचालक एस एल चंद्रा उपस्थित थे। कार्यक्रम मुख्य अतिथि जे पी पुष्प ने अपने उद्बोधन में कहा कि जब तक बाधाए नहीं आती तब तक कोई आगे नहीं बढ़ सकता। जय भारत इंग्लिश मीडियम स्कूल बिर्रा के इस गौरवशाली दस साल पूरा करने में अनेक बाधाएं आई होंगी। परंतु सतत लगन और मेहनत से आज विद्यालय ने यह मुकाम हासिल किया है। कार्यक्रम का प्रतिवेदन राम सतनामी प्रधान पाठक ने प्रस्तुत किया। इसके साथ ही जय भारत इंग्लिश मीडियम स्कूल बिर्रा के संचालक एस एल चंद्रा ने विद्यालय के दस वर्ष की खट्टी-मीठी यादें को उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए बताया। कार्यक्रम को एस के तिवारी, गीता प्रसाद तिवारी और अन्य अतिथियों ने भी संबोधित किया। जय भारत उत्सव कार्यक्रम में कक्षा 5वीं एवं 8वीं के उन सभी मेधावी विद्यार्थियों को नगद राशि चेक से सम्मानित किया गया। जिन्होंने बोर्ड परीक्षा में 90 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित किए हैं। साथ ही छात्र दुष्यंत कश्यप के जवाहर नवोदय विद्यालय में चयन एवं छात्रा सुहाना खूंटे के श्रेष्ठ – एनईटीएस (एनटीए) परीक्षा में ऑल इंडिया रैंक में 540 प्राप्त करने पर विशेष सम्मान किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के मार्गदर्शक स्व एम आर कुंभकार को श्रद्धांजलि देते हुए विद्यालय की शालेय पत्रिका का विमोचन भी किया गया। पत्रिका में विद्यार्थियों की रचनात्मक कृतियों के संकलित क्रिया गया है। वार्षिकोत्सव में विद्यार्थियों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई।

कार्यक्रम में मंचस्थ अतिथिगण।

राम मंदिर स्थापना दिवस पर रैली और भंडारे का आयोजन

बम्हनीडीह। ग्राम पंचायत लखुर्री में राम मंदिर के स्थापना दिवस को हर्षोल्लास और भक्तिभाव के साथ मनाया गया। इस विशेष अवसर पर पूरे गांव में उत्सव का माहौल रहा, जहां ग्रामीणों ने एकजुट होकर भव्य रैली निकाली और विशाल भंडारे का आयोजन किया। स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित इस भव्य रैली में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। जय श्री राम के उद्घोष से पूरा गांव गुंजायमान हो उठा। रैली के दौरान भगवान राम की मनमोहक झांकी आकर्षण का केंद्र रही। ग्रामीणों ने जगह-जगह पुष्प वर्षा कर रैली का स्वागत किया। पारंपरिक वाद्य यंत्रों और भजनों की धुन पर थिरकते श्रद्धालुओं ने माहौल को पूरी तरह भक्तिमय बना दिया। रैली के समापन के पश्चात, पूरे गांव के लिए एक विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। मंदिर परिसर में आयोजित इस प्रसाद वितरण कार्यक्रम में गाँव के प्रत्येक परिवार और आसपास के क्षेत्रों से आए लोगों ने बड़े ही प्रेम के साथ महाप्रसाद ग्रहण किया। सेवादारों ने तत्परता से अपनी सेवाएं दीं, जिससे आयोजन सुव्यवस्थित रूप से संपन्न हुआ। ग्राम पंचायत के जनप्रतिनिधियों और आयोजन समिति ने बताया कि राम मंदिर का यह स्थापना दिवस गांव की एकता और आस्था का प्रतीक है। इस आयोजन ने न केवल धार्मिक भावना को सुदृढ़ किया, बल्कि आपसी भाईचारे का भी संदेश दिया। देर शाम तक चले इस कार्यक्रम में बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, सभी में भारी उत्साह देखा गया।

साहू समाज का हुआ चुनाव, 91 मत पाकर अध्यक्ष बने प्रकाश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मालखरौदा

साहू समाज जिला सक्ती का निर्वाचन 20 जनवरी को सद्भावना भवन मालखरौदा में हुआ। इस चुनाव में सक्ती, मालखरौदा, डभरा, जैजैपुर, तहसील परिक्षेत्र जिला के सदस्यों ने मतदान में भाग लिया। दो दिनों से जिला अध्यक्ष के चुनाव को लेकर पूरे जिले में गहमा गहमी का माहौल था। अध्यक्ष पद के लिए तीन प्रत्याशी मैदान में थे, जिसमें प्रकाश साहू को 91 मत मिले, जबकि प्रतिद्वंदी गोरेलाल साहू को 67 मत जबकि मनहरण साहू को 22 मत प्राप्त हुए इस प्रकार प्रकाश साहू को साहू को साहू समाज शक्ति का जिला अध्यक्ष घोषित किया गया, वहीं उपाध्यक्ष पद के लिए मेम कुमार साहू और योगेंद्र साहू के बीच कड़ा मुकाबला हुआ जिसमें मेंम कुमार साहू को 90 मत प्राप्त हुए जबकि योगेंद्र कुमार साहू को 89 मत प्राप्त हुए, इस प्रकार से एक मत से मेंम कुमार साहू उपाध्यक्ष पद के लिए चुने गए। इसी प्रकार महिला उपाध्यक्ष पद के लिए रितु साहू 93 मत प्राप्त हुए जबकि कांति साहू को 86 मत प्राप्त हुए। इसके अलावा जिला संगठन सचिव पुरुष में प्रहलाद साहू को 105 मत प्राप्त हुए जबकि टकेश्वर साहू को 78 मत प्राप्त हुए। इसी प्रकार जिला संगठन सचिव महिला पद के लिए सड़ेश्वरी साहू को 101 मत प्राप्त हुए जबकि भिकेश्वरी साहू को 78 मतों से संतोष करना पड़ा अंत में सभी विजय प्रत्याशियों को निर्वाचन अधिकारियों द्वारा विजई होने का प्रमाण पत्र दिया गया। निर्वाचन कार्य सफलता पूर्वक संपन्न कराने में जिला निर्वाचन अधिकारी मुकेश साहू, रामलाल साहू, सहायक निर्वाचन अधिकारी डॉक्टर पूरन साहू, नेत्रा साहू, वेदराम साहू, राजेंद्र साहू, तथा जिला साहू संघ सकती अध्यक्ष डॉक्टर खिलावन साहू का विशेष योगदान रहा। मतदान 3 बजे हुआ जबकि मतदान की घोषणा 4:30 बजे किया गया।

चांपा के प्रॉपर्टी जगत में अनूठी पहल

चार दिनों के लिए सभी प्रॉपर्टीज पर अब तक की सबसे बड़ी छूट

बिजनेस प्लस

चांपा। चांपा के निवासियों के लिए अपने घर का सपना पूरा करने का इससे शानदार मौका पहले कभी नहीं आया। पुरुषोत्तम शर्मा एवं डीबी वेंचर्स द्वारा आयोजित 'मेरी संपत्ति एक्सपो' में एक नई शुरुआत करते हुए शहर की सभी संपत्तियों पर बड़ी छूट दी जा रही है। ध्यान रहे यह विशेष ऑफर केवल 23 से 26 जनवरी तक, यानी सिर्फ इन 4 दिनों के लिए ही मान्य है। चांपा में पहली बार ऐसा धमाकेदार अवसर प्रॉपर्टी के क्षेत्र में अब तक के सबसे बड़े बदलाव के रूप में डीबी वेंचर्स सभी प्रकार के प्रोजेक्ट्स पर विशेष बड़ी छूट लेकर आया है। एक्सपो में रेडी-टू-पजेशन हाउस (तैयार मकान), फुली फर्निश्ड घर और रेरा अप्रूव्ड डायवर्टेड प्लॉट्स ऐसी कीमतों पर उपलब्ध होंगे जो शहर में पहले कभी नहीं देखी गईं।

केवल 4 दिन और ढेरों लाभ- यह एक्सपो चांपा के पं. गिरिजानंदन शिखर अपार्टमेंट, परशुराम चौक में सुबह 10 बजे से शुरू होगा। इन चार दिनों में बुकिंग करने वाले ग्राहकों को न केवल बड़ी छूट मिलेगी, बल्कि 5 ग्राम सोने का सिक्का भी ऑन-स्पॉट उपहार स्वरूप दिया जाएगा।

आसान किस्तों का अनोखा विकल्प- छूट के साथ-साथ, डीबी वेंचर्स ग्राहकों को 100 प्रतिशत फाइनेंस सुविधा और '12 महीने तक कोई ईएमआई नहीं' का लाभ भी दे रहा है। इसके अतिरिक्त, चुनिंदा निवेश विकल्पों पर 12,000 रुपये प्रति माह की आय का सुनहरा अवसर भी उपलब्ध है।

पूरे जिले के लिए विशेष निमंत्रण- जांजगीर-चांपा जिले के सभी लोग इस शानदार अवसर का लाभ उठाने के लिए सादर आमंत्रित हैं। आगंतुकों के सत्कार के लिए आयोजन स्थल पर पूरे दिन लंच और स्नैक्स की विशेष व्यवस्था की गई है। 'मेरी संपत्ति एक्सपो' में यदि आप आना चाहते हैं या साइट विजिट के लिए वाहन बुक करना चाहते हैं, तो तुरंत 9575988889 डायल करें। 'मेरी संपत्ति एक्सपो' का आयोजन पं. गिरिजानंदन शिखर अपार्टमेंट परशुराम चौक चांपा में किया जाएगा। एक्सपो शुक्रवार 23 से 26 जनवरी तक सुबह 10 बजे से आयोजित होगा।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी हेमू कालाणी को अर्पित किया श्रद्धा सुमन

सक्ती। गुरुद्वारा भवन सक्ती में 21 जनवरी को स्वतंत्रता संग्राम सेनानी वीर हेमू कालाणी की पुण्यतिथि पर भारतीय सिंधू सभा इकाई सक्ती और पूज्य सिंधी पंचायत सक्ती के सदस्य उपस्थित हुए। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी वीर हेमू कालाणी को अपना श्रद्धा सुमन अर्पित किया। इस कार्यक्रम में भारतीय सिंधु सभा इकाई सक्ती के अध्यक्ष हरिराम रोचलानी, उपाध्यक्ष कन्हैया अठवानी, सचिव प्रवीण क्षत्री, कोषाध्यक्ष तोलाराम धमवानी, भारतीय सिधु सभा युवा इकाई सक्ती अध्यक्ष सुरेश कृपलानी, पूज्य सिंधी पंचायत अध्यक्ष चुहण मल जैस्वानी, सम्मानीय सदस्य अनिल ठारवानी उपस्थित थे।

न्यायालय कार्यपालिक दण्डाधिकारी एवं तहसीलदार नवागढ़, जिला जांजगीर चांपा (छ.ग.)
202601062200051
// ईश्तहार//
क्रमांक /Q/तह./ज.मृ./2026
नवागढ़ दिनांक 14/01/2026
ग्राम- हरदी

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि कृष्ण कुमार पिता द्वासराम जाति कुर्मी साकिन हरदी तहसील नवागढ़ व थाना नवागढ़ जिला जांजगीर चांपा (छ.ग.) द्वारा प.ह. नं.......... ग्राम हरदी में अपने पुत्री नाम प्रियंका के जन्म दिनांक 07/11/2004 को होने से जन्म पंजीयन नहीं करा पाने के कारण, पंजीयन हेतु आवेदन पत्र मय दस्तावेज इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को दावा/आपत्ति हो, तो वह अपना दावा / आपत्ति स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से इस न्यायालय में आगामी सुनवाई दिनांक 29/01/2026 के पूर्व पेश कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा / आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 14/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा से जारी किया गया।

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
नवागढ़

न्यायालय सक्षम प्राधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी (रा.) मालखरौदा जिला सक्ती (छ.ग.)
// पेपर प्रकाशन //
रा.प्र.क./-/अ-2/2025-26
ग्राम-माहुलडीप, तहसील-छपोरा

एतद् द्वारा सर्वसाधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक हेमंत कुमार चन्द्रा पिता जगदीश प्रसाद, जाति-चन्द्रनाहू निवासी ग्राम-अमलीडीह, तहसील-छपोरा, जिला-सक्ती (छ.ग.) के द्वारा अपने हक स्वामित्व की ग्राम माहुलडीप, तहसील-छपोरा में स्थित क्रयशुदा भूमि खसरा नंबर 540/5 कुल रकबा 0.0810 हे. में से 0.10 ए. को व्यवसायिक प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराये जाने के लिए खसरा, नक्शा, बी-1, एवं अधिकार अभिलेख की छायाप्रति सहित आवेदन प्रस्तुत किया है।

अतः उक्त आवेदित भूमि का व्यवसायिक प्रयोजन हेतु पुनर्निधारण किये जाने पर जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो वे अपनी आपत्ति इस न्यायालय में दिनांक 27/1/26 तक स्वयं या अधिवक्ता के जरिये उपस्थित होकर विधि अनुसार लिखित रूप से आपत्ति पेश कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

आज दिनांक 12/01/26 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की सील एवं पदमुद्रा लगाकर जारी किया गया।

सक्षम प्राधिकारी एवं
अनुविभागीय अधिकारी (रा.) मालखरौदा
जिला-सक्ती (छ.ग.)

आम सूचना

यह कि ओमकार फूडस पार्टनर कैलाशचंद अग्रवाल / शैली अग्रवाल निवासी ग्राम तरौद, तहसील अकलतरा जिला जांजगीर चाम्पा, अपने स्वामित्व अधिपत्य एवं कब्जे की संपत्ति जो कि ग्राम कोहरौद तहसील मस्तुरी जिला बिलासपुर छ.ग. हल्का नं.-14, अपने स्वामित्व अधिपत्य एवं कब्जे की भूमि को साम्यिक बंधक रखने के आशय से पंजाब नेशनल बैंक शाखा तरौद में उक्त संपत्ति का दस्तावेज प्रस्तुत किया है जिसकी संपत्ति का विवरण निम्नानुसार हैः- 1. ग्राम कोहरौदा तहसील थाना मस्तुरी जिला बिलासपुर छ.ग. हल्का नंबर 14 खसरा क्रमांक-16/3 रकबा 1.06 विक्रेता नारायण पिता अभयराम निवासी ग्राम कोहरौदा तहसील थाना मस्तुरी पंजीकृत विक्रय विलेख के माध्यम से क्रेता संतोष कुमार अग्रवाल पिता बद्री प्रसाद अग्रवाल निवासी विनोबा नगर बिलासपुर उप पंजीयक कार्यालय बिलासपुर में पंजीयन दिनांक 02/08/2008 दस्तावेज क्रमांक- 1738 को पंजीकृत किया गया था। 2. ग्राम कोहरौदा तहसील थाना मस्तुरी जिला बिलासपुर हल्का नं.-14 खसरा क्रमांक-16/2 रकबा 0.83 एकड़ भूमि विक्रेता श्रीमति सुमित्रा बाई पति संतूराम निवासी ग्राम कोहरौदा तहसील थाना- मस्तुरी क्रेता संतोष अग्रवाल पिता बद्री प्रसाद अग्रवाल निवासी विनोबा नगर बिलासपुर, उप पंजीयक कार्यालय बिलासपुर में पंजीयन दिनांक 29/05/2013 दस्तावेज क्रमांक 663 पंजीकृत किया गया था। 3. ग्राम कोहरौदा तहसील थाना मस्तुरी जिला बिलासपुर हल्का नं.-14 खसरा क्रमांक-17/1 एवं 17/5 रकबा क्रमशः 1.05 एकड़ एवं 0.06 एकड़ विक्रेता रमोचंद पिता श्याम लाल निवासी ग्राम पेन्डरी तहसील थाना मस्तुरी जिला बिलासपुर क्रेता संतोष कुमार अग्रवाल, पिता बद्रीप्रसाद अग्रवाल निवासी विनोबा नगर बिलासपुर उप पंजीयक कार्यालय बिलासपुर में पंजीयन दिनांक 02/08/2008 दस्तावेज क्रमांक 1737 पंजीकृत किया गया था। 4. ग्राम कोहरौदा तह. थाना मस्तुरी जिला बिलासपुर छ.ग. खसरा नंबर 16/2, 16/3, 17/2, 17/5 कुल रकबा 3.00 एकड़ विक्रेता संतोष कुमार अग्रवाल पिता बद्री प्रसाद अग्रवाल विनोबा नगर बिलासपुर, क्रेता-सारंग नरेश अग्रवाल पिता नरेश बाबूलाल अग्रवाल निवासी गणेशनगर, गोंदिया जिला गोंदिया महाराष्ट्र उप पंजीयन कार्यालय बिलासपुर में पंजीयन दिनांक 11/5/2023 का दस्तावेज क्रमांक-707 को पंजीकृत किया गया था। यह कि उक्त वर्णित संपत्ति ओमकार फुड्स पार्टनर कैलाश चंद अग्रवाल, शैली अग्रवाल ग्राम तरौद जिला-जांजगीर-चांपा (छ.ग.) के द्वारा भूमि क्रय कर ग्राम कोहरौदा में स्थित खसरा नं. क्रमशः 16/2, 16/3, 17/1, 17/5 रकबा 3.00 एकड क्रय कर वर्तमान में उक्त वर्णित भूमि ओमकार फुड्स पार्टनर कैलाश चंद अग्रवाल, शैली अग्रवाल ग्राम तरौद तहसील अकलतरा जिला-जांजगीर-चांपा (छ.ग.) का नाम समस्त राजस्व अभिलेखों में दर्ज है जिसका ओमकार फुड्स पार्टनर कैलाशचंद अग्रवाल, शैली अग्रवाल, एक मात्र स्वामी है। यह कि उपरोक्त बिक्रीनामा की मूलप्रति वर्तमान भूमि स्वामी से गुम हो गई है, बहुत खोजबीन के वाद भी नहीं मिला है। मूल प्रति नहीं मिलने के कारण उसकी प्रमाणिक प्रति निकालकर बैंक में जमा करा दी है वर्तमान भूमि स्वामी द्वारा उक्त संपत्ति को पंजाब नेशनल बैंक शाखा तरौद में बंधक किये जाने पर जिस किसी को भी स्वामित्व के संबंध में वह एक सप्ताह 7 दिन के अंदर संबंधी दस्तावेज सहित लिखित आपत्ति के साथ मेरे कार्यालय में उपस्थित होवे। निर्धारित समय अवधि के पश्चात् की गई आपत्ति झूठी मानी जायेगी। दिनांक 29/01/2026 तक।

मनोज कुमार मिश्रा
अधिवक्ता जिला एवं सत्र न्यायालय
जांजगीर-चांपा

TOP IN JANJGIR

राजकेसर मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल
जिले में 55 बिस्तरों का
जांजगीर-चाँपा, शक्ति, कोरबा जिले तथा बिलासपुर संभाग के प्रथम एवं एकमात्र बाल्य गहन चिकित्सा विशेषज्ञ
शिशु एवं बाल्यरोग विभाग
24/7
- 0-17 वर्ष तक के बच्चों का आयुष्मान भारत योजना तथा अन्य बीमा कम्पनियो के तहत निःशुल्क इलाज की सुविधा।
- बच्चों से सम्बन्धी सभी सामान्य एवं गंभीर बिमारियों का इलाज, एवं उनका ऑपरेशन
- बच्चों के सभी इमरजेंसी सुविधाएँ जैसे :- आकस्मिक दुर्घटना, जहर खुरानी, सर की चोट, बिच्छू एवं सर्पदंश, हृदयघात, छाती में भारीपन, गंभीर संक्रमण(इन्फेक्शन), साँस का फूलना, डेंगू, झटके आना , नवजात का गन्दा पानी पी लेना, मलेरिया, इत्यादि।
डॉ. दिलीप जैन
M.B.B.S, D.N.B, I.D.P.C.C.M
पोस्ट ऑफिस के सामने, अकलतरा रोड, बलौदा, जिला- जांजगीर चाम्पा (छ.ग.) पंजीयन हेतु न. 07817-296002, 8226056005, इमरजेंसी-7999640661

राजकेसर मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल
जांजगीर-चाँपा, शक्ति तथा कोरबा जिले के प्रथम एवं एकमात्र यूरोलॉजी (मूत्र एवं किडनी रोग) विशेषज्ञ
यूरोलॉजी विभाग(मूत्र एवं किडनी रोग)
जिले के प्रथम एवं एकमात्र यूरोलॉजिस्ट
- किडनी, मूत्रनली एवं पेशाब के थैली में पथरी(PCNL, URSL, SPCL, PCCL, RIRS)
- गुर्दा एवं पेशाब की थैली का कैंसर, प्रोस्टेट का बढ़ जाना(TURP),
- पेशाब का बार बार आना व कन्ट्रोल न होना,
- पेशाब में खून व मवाद आना व जलन होना, पेशाब में रूकावट व जलन,
- महिलाओं में खांसने व छींकने से पेशाब लिक होना,
- किडनी रोग का सम्पूर्ण ईलाज, पेशाब की नली में सिकुड़न व पतली धार होना,
- पुरुष नपुंसकता व बाँझपन, ए.वी.फिस्टुला ऑपरेशन (डायलिसिस हेतु)
- अत्याधुनिक दूरबीन, लेज़र से पथरी व प्रोस्टेट का ऑपरेशन (बिना चिर फाड़ के)
- कैंसर (गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली व टेस्टिस के कैंसर का ऑपरेशन,
दूरबीन पद्धति से मूत्ररोग के सभी बिमारियों का ईलाज एवं ऑपरेशन
डॉ. प्रदीप जैन
MBBS, MS, MCh, DrNB
Urology Mumbai
Urologist, Andrologist & Renal Transplant Surgeon

राजकेसर मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल
नेत्र रोग विभाग
- आधुनिक कम्प्यूटरों द्वारा आँखों की जाँच
- बिना इंजेक्शन, बिना टाँके, अत्याधुनिक मोतियाबिंद ऑपरेशन
- गरीज के लिए लैंस प्रत्यारोपण की सुविधा
- आँखों के मांस / जाली का ऑपरेशन
- डायबिटिज मरीजों के रेटिना की जाँच की सुविधा
- नासूर का ऑपरेशन, नकली आँख लगाने की सुविधा
- कांच बिंदु का ईलाज एवं ऑपरेशन
- चश्में की जांच, काले मोतिया की जांच
- आँखों में लालीपन, जलन एवं पुतली के रोगों की जांच
डॉ. संजीता जैन
MBBS, MS, FPRS
OPHTHALMOLOGIST
PHACO & LASIK SPECIALIST
नेत्र रोग विशेषज्ञ

राजकेसर मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल
दन्त रोग विभाग
जिले की प्रथम एवं एकमात्र ऑर्थोडॉन्टिस्ट
- दाँतों की नसों का ईलाज(Root Canal Treatment- RCT), दर्द रहित दांत निकालना,
- टेढ़े-मेढ़े व बाहर निकले दाँतों एवं जबड़ों का ईलाज(BRACES),
- हड्डी में फिक्स होने वाली बत्तीसी(IMPLANT), एवं निकालने-लगाने वाली बत्तीसी(DENTURES)
- आधुनिक मशीनों द्वारा दाँतों की सफाई, एवं कृत्रिम दाँत लगाना, लेज़र द्वारा दाँतों में मसाला भरना,
- मुँह न खुलने व कम खुलने का ईलाज, मुँह के छालों का ईलाज(OSMF)
- दाँतों का एक्स-रे, दाँतों की ब्लीचिंग एवं व्हाइटनिंग
- बड़ो एवं बच्चों के दांतो से सम्बंधित सभी प्रकार के समस्याओं का इलाज
डॉ. सुमिता जैन

राजकेसर मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल
हड्डी रोग एवं ट्रॉमा विभाग
- एक्सीडेंटल व ट्रॉमा का ईलाज , घुटने और कुल्हे की सर्जरी व प्रत्यारोपण
- हड्डी टूटने की सर्जरी , पैर और पैर की उँगलियों की सर्जरी
- सत्य विधि से स्कोलियोसिस का सर्जरी
- शोल्डर और बाजू की सर्जरी
- कमर दर्द , साइटिका एवं आर्थराइटिस का ईलाज
- गठिया, हड्डी रोग का सम्पूर्ण ईलाज, बच्चों के समस्त हड्डी रोग का ईलाज
- हड्डियों से सम्बंधित सभी ऑपरेशन एवं जटिल ऑपरेशन का ईलाज आयुष्मान भारत योजना के तहत निःशुल्क
मॉड्यूलर ऑपरेशन थियेटर, सर्जिकल आई.सी.यू., आई.सी.यू., मेल-फीमेल वार्ड, वातानुकूलित प्राइवेट एवं सेमी प्राइवेट रूम आदि.
सोनोग्राफी, एक्स-रे, सी-आर्म, पैथोलैब, फार्मेसी, ई.सी.जी. ई.ई.जी. इस्पाइरोमेट्री एम्बुलेंस सुविधाएँ.
आयुष्मान भारत योजना सी.एस.ई.बी. कर्मचारियों व अन्य इंश्योरेंस कंपनियों से कैशलेस सुविधा उपलब्ध
15 किलोमीटर तक एम्बुलेंस सुविधा मुफ्त भर्ती मरीज हेतु

राजकेसर मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल
स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग
- लेप्रोस्कोपी विधि द्वारा बच्चेदानी का ऑपरेशन, 24 घंटे नॉर्मल डिलीवरी और सीजेरियन डिलीवरी
- बार बार गर्भपात होने का ईलाज, बच्चेदानी की बंद ट्यूब को खोलना
- बच्चेदानी की सफाई, मासिक सम्बन्धी बिमारियों का ईलाज
- नसबंदी, यूरिनरी समस्याएं , अनियंत्रित रक्त स्त्राव, असामान्य तौर पर अचानक से रक्त का बहाव बढ़ जाना
- बहुत ज्यादा पसीना आना, स्तन में गठान, गर्भावस्था की सम्पूर्ण जाँच
- परिवार नियोजन सम्बन्धी सुविधाएँ, PCOD का ईलाज, सफ़ेद पानी (ल्यूकोरिया) का ईलाज
- बच्चेदानी थैली, ओवरी के कैंसर व गठान का ईलाज
- निःसंतान दम्पत्तियों का परामर्श एवं इलाज , महिलाओं से सम्बंधित सभी बिमारियों का ईलाज एवं ऑपरेशन
जनरल सर्जरी विभाग
- पेट से सम्बंधित सारी बिमारियों का इलाज, अपेंडिक्स, गैलब्लैडर ऑपरेशन, हाइड्रोसील, बवासीर(पाईल्स),
- फिस्टुला, फिसर, आंतो की रुकावट, हार्निया ऑपरेशन, आंत-गुदा सम्बंधी ऑपरेशन,
- आंतों का फटना, वरीकटमी, पुरुष एवं महिला नसबंदी, हेमोरोइड सर्जरी, थायरॉइड सर्जरी,
- सर्कम सीज़र (खतना), ब्रेस्ट स्तन, कैंसर, पेट एवं मुँह के कैंसर रोग सर्जरी, पित्त की थैली(गॉलब्लेडर) की पथरी का ऑपरेशन, बड़ो एवं बच्चों के समस्त ऑपरेशन
पोस्ट ऑफिस के सामने, अकलतरा रोड, बलौदा, जिला- जांजगीर चाम्पा (छ.ग.) पंजीयन हेतु न. 07817-296002, 8226056005, इमरजेंसी-7999640661

जाँजगीर मार्केट

आदित्य प्लाई, हार्डवेयर, फर्नीचर
मो. 6260115021
प्लाई, सनमाइका, फेवीकोल, सेंट्रींग प्लाई, वॉल पेपर, मंदिर दरवाजे, खिड़की, चौखट, तखत, टेबल, सोफा सेट, दीवान पलंग, सेंट्रींग फर्मा, गद्दे, तकीये एवं शादी विवाह के संपूर्ण समान थोक एवं चिल्हर
एक छत के नीचे कम दाम पर प्राप्त करें।
संबंधित प्रतिष्ठान: सिंघानिया लकड़ी लघु उद्योग
सभी प्रकार की ईमारती लकड़ी एवं सेंट्रिंग की लकड़ी कम दर पर प्राप्त करें।
लिंक रोड, नेताजी चौक, बैंक ऑफ बड़ौदा के पास जांजगीर मो.9302362173

प्रो. विद्याशंकर सिंघानिया
विद्या इलेक्ट्रिकल्स
सभी कम्पनियों के बिजली सामनों के थोक एवं चिल्हर विक्रेता।
न्यू चांपा रोड, नेताजी चौक जांजगीर
जिला-जांजगीर-चांपा (छ.ग.)
9926744810

संजीवनी SPRHC
फिजियोथेरेपी एवं पाईल्स क्लीनिक
पाईल्स
बवासीर
भगंदर
पथरी
(बिना ऑपरेशन)
डॉ. श्रीमती ममता साहू डॉ. योगेश साहू
M : 96915 53615

DR. ABHIMANYU'S
AYURVEDA MULTISPECIALITY HOSPITAL
PAIN | PANCHKARMA | PILES | PEDIA | GYNAE | SKIN
छत्तीसगढ़ का प्रथम 20 बिस्तरीय हॉस्पिटल जो की पूर्ण रूप से आयुर्वेदिक उपचार को समर्पित
सेक्टर -7 कमल विहार, रायपुर (छ.ग.) 95224-66664, 62622-22003
सिटी सेन्टर - कृष्णा टॉकीज के सामने, समता कॉलोनी रायपुर (छ.ग.) 9826446666
समस्त रोगों का आयुर्वेदिक पद्धति द्वारा इलाज
- हड्डी एवं जोड़ों का दर्द - नसों का रोग
- त्वचा एवं बालों का रोग - स्त्री रोग - मानसिक रोग
- मूत्र संबंधी रोग - मधुमेह (डायबिटीज़) - नेत्र रोग
- किडनी संबंधी रोग - पेट संबंधी विकार - थायराइड
- अस्थमा - मोटापा - मांसपेशी का रोग
- मल द्वार रोग विशेषज्ञ
प्रदेश के समस्त शासकीय अधिकारी/कर्मचारी एवं उनके परिवार के आश्रित सदस्यों के उपचार उपरांत प्रतिपूर्ति (MEDICAL REIMBURSEMENTS) हेतु छ.ग. शासन से मान्यता प्राप्त

खबर संक्षेप

धिवरा में अखण्ड राम नाम जप सप्ताह महायज्ञ का हुआ शुभारंभ

बिर्रा। ग्राम धिवरा में 21 जनवरी को अखण्ड श्री राम नाम जप सप्ताह महायज्ञ का विधिवत शुभारंभ किया गया है। यह धार्मिक आयोजन 21 से 28 जनवरी तक चलेगा। विशेष बात यह है कि पूरे 33 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद गांव में श्री राम नाम जप सप्ताह महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। जिससे ग्रामीणों में उत्साह और श्रद्धा देखने को मिल रहा है। महायज्ञ के शुभारंभ से पूर्व पूरे गांव में हरि किर्तन के साथ भव्य शोभा यात्रा निकाला गया। इसके पश्चात महायज्ञ स्थल पर भगवान श्री राम, लक्ष्मण, माता सीता एवं हनुमान की मूर्तियों की स्थापना वैदिक मंत्रोच्चारण एवं विधिवत पूजा-अर्चना के साथ की गई। ग्रामीण श्रद्धालु राम नाम जप, भजन-कीर्तन एवं विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों में सहभागिता कर रहे हैं। पूरा गांव मर्यादा भगवान श्री रामचंद्र जी के भक्ति में डूब गए हैं।

डॉ.बोधीराम साहू प्राइड अचीवर्स अवॉर्ड से हुए सम्मानित

जांजगीर-चांपा। गोपाल किरण समाज सेवी संस्था ग्वालियर द्वारा जी. एल . ए.यूनिवर्सिटी मथुरा में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में अंतर्राष्ट्रीय

एजुकेशन आई डोल प्राइड अचीवर्स अवॉर्ड से डॉ. बोधी राम साहू को स्मृति चिन्ह, साल, वाइस चांसलर विद्यापीठ मथुरा, डिप्टी डायरेक्टर जी एल ए यूनिवर्सिटी मथुरा से हस्ताक्षर युक्त सम्मान पत्र से सम्मानित किया गया है। ज्ञात हो कि ये राज्यपाल पुरस्कृत शिक्षक है शिक्षा एवं नवाचार के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर समाज को एक नई दिशा दी है। शिक्षा व साहित्य के क्षेत्र में इनकी सकारात्मक विचारधारा राष्ट्र व समाज के प्रति समर्पण मेहनती व्यक्तित्व पर प्रदान किया गया है। इसके अलावा राज्य, राष्ट्रीय,अंतर्राष्ट्रीय स्तर के लगभग 307 से भी अधिक सम्मानों से विभूषित हो चुके है। इनके सम्मानित होने पर डा. शिवनारायण देवांगन, डा. राघवेंद्र राठौर, बसंत चतुर्वेदी, रमाकांत पांडे,प्रमोद आदित्य, सत्येंद्र सिंह, विजय प्रधान, जे. सी. साहू, दिलीप साहू,रामरतन साहू ने प्रसन्नता जाहिर की है।

नवीन प्राथमिक शाला फुलवारीपारा में 'नन्ही उड़ान' दीवार पत्रिका का हुआ विमोचन

बिर्रा। नवीन प्राथमिक शाला फुलवारीपारा बिर्रा में मासिक पालक-शिक्षक बैठक के अवसर पर विद्यालय की पहली दीवार पत्रिका 'नन्ही उड़ान' का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर कक्षा चौथी एवं कक्षा पांचवी के विद्यार्थियों को थीम आधारित विषय मेरा शहर पर लेखन कार्य दिया गया। बच्चों ने अपने शहर बिर्रा के प्रति अपने लगाव, पसंद और अनुभवों को अत्यंत सहज और सुंदर शब्दों में व्यक्त किया। इन रचनाओं में बच्चों का परिवेश, संवेदनाएं और सोच स्पष्ट रूप से झलकती हैं। इसके साथ ही कक्षा पहली और कक्षा दूसरी के विद्यार्थियों ने 'धनुष', 'मछली' जैसे सरल शब्दों पर आधारित चित्रांकन और लेखन के माध्यम से अपनी समझ प्रस्तुत किए। पालक-शिक्षक-एस एम सी समिति की बैठक में उपस्थित अभिभावक अपने बच्चों की रचनाएं देखकर अत्यंत प्रसन्न हुए और भविष्य में भी इस प्रकार की गतिविधियों को निरंतर जारी रखने की इच्छा व्यक्त किए। यह आयोजन संतराम कश्यप प्रधान पाठक, श्रीमती निहारिका साहू सहायक शिक्षिका एवं रित्विक के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ ।

तनवीर आलम बने असंगठित कामगार एवं कर्मचारी कांग्रेस के प्रदेश महासचिव

अकलतरा। असंगठित क्षेत्र में कार्यरत कामगारों और कर्मचारियों की आवाज़ को और अधिक

मजबूती देने के उद्देश्य से असंगठित कामगार एवं कर्मचारी कांग्रेस संगठन का विस्तार किया गया है। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदित राज के निर्देशानुसार, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष दीपक बैज़ एवं पूर्व छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार मंडल के अध्यक्ष सुशील सन्नी अग्रवाल की अनुशंसा पर कामगार कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अभिषेक बोरकर द्वारा तनवीर आलम को असंगठित कामगार एवं कर्मचारी कांग्रेस का प्रदेश महासचिव नियुक्त किया गया है। तनवीर आलम लंबे समय से सामाजिक और श्रमिक हितों से जुड़े कार्यों में सक्रिय रहे हैं तथा असंगठित क्षेत्र के कामगारों की समस्याओं को लेकर लगातार संघर्ष करते रहे हैं। उनकी कार्यशैली, संगठन के प्रति निष्ठा एवं जमीनी स्तर पर मजबूत पकड़ को देखते हुए संगठन नेतृत्व ने उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। अपने नियुक्ति पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए तनवीर आलम ने शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसका वे पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ निर्वहन करेंगे। उन्होंने कहा कि असंगठित क्षेत्र के कामगारों को उनके अधिकार दिलाने, सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने एवं संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के लिए वे निरंतर कार्य करेंगे।

शिविर में 2923 लोगों का बनाया गया लर्निंग लाइसेंस, 40 का एचएसआरपी

यातायात नियमों के पालन करने एवं सुरक्षित वाहन चलाने दी गई जानकारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ जांजगीर-चांपा

37 वां सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत लर्निंग लाइसेंस एवं एचएसआरपी कैम्प का जिले में सफल आयोजन किया गया। शिविर में कुल 2923 लोगों का लर्निंग लाइसेंस एवं 40 का एचएसआरपी बनाया गया।

लर्निंग लाइसेंस शिविर का आयोजन जिले के जांजगीर, अकलतरा, बलौदा, शिवरीनारायण एवं पामगढ़ में किया गया। कैंप का आयोजन पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यातायात उदयन बेहार के नेतृत्व में यातायात पुलिस द्वारा 37 वां सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से यातायात नियमों का पालन करने संबंधी जन जागरूकता का विभिन्न कार्यक्रम जिले में आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में जांजगीर मुख्यालय, अकलतरा, बलौदा एवं शिवरीनारायण में यातायात पुलिस एवं जिला परिवहन विभाग के

कैम्प में लाइसेंस बनवाते वाहन चालक।

संयुक्त तत्वाधान में लर्निंग लाइसेंस एवं एचएसआरपी (हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट) कैम्प का आयोजन किया गया था। इस शिविर में कुल 2923 लोगों द्वारा लर्निंग लाइसेंस बनवाया गया। इसके साथ ही नागरिकों को एचएसआरपी नंबर प्लेट के महत्व, यातायात नियमों के पालन तथा सुरक्षित वाहन संचालन के संबंध में जानकारी दी गई। शिविर के दौरान अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा लोगों को सड़क सुरक्षा से जुड़े नियमों का पालन करने के लिए जागरूक किया गया। कार्यक्रम के दौरान यातायात पुलिस ने बताया कि लर्निंग लाइसेंस बनवाकर विधिवत प्रशिक्षण के साथ वाहन चलाना न केवल कानूनी रूप से आवश्यक है, बल्कि दुर्घटनाओं की रोकथाम में भी सहायक है। एचएसआपी नंबर प्लेट से वाहनों की पहचान आसान होती है, जिससे अपराध नियंत्रण एवं सड़क सुरक्षा को मजबूती मिलती है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करना, नियमों का पालन सुनिश्चित कराना, बिना लाइसेंस वाहन चलाने की प्रवृत्ति पर रोक लगाना तथा एचएसआरपी नंबर प्लेट के माध्यम से सुरक्षित और जिम्मेदार यातायात व्यवस्था को बढ़ावा देना है।

सुरक्षा को बढ़ावा देने हेलमेट का किया गया वितरण

मुलमुला। न्युवोको विस्टास कॉर्प लिमिटेड के आरसमेटा सीमेंट प्लांट के कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) विभाग द्वारा वर्तमान में चल रहे सड़क सुरक्षा माह के तहत जिला पुलिस प्रशासन और मुलमुला थाना के समन्वय से एक विशेष सड़क सुरक्षा जागरूकता और हेलमेट वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसे दौरान दोपहिया वाहन चालकों को सुरक्षा को बढ़ावा देने और जनता के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए उच्च गुणवत्ता वाले हेलमेट वितरित किए गए। जागरूकता अभियान वितरण के साथ-साथ पुलिस अधिकारियों और

न्युवोको की सीएसआर टीम ने चालकों को यातायात नियमों का पालन करने, सीट बेल्ट पहनने के महत्व और वाहन चलाते समय मोबाइल फोन के उपयोग के खतरों के बारे में शिक्षित किया। मुलमुला थाना के अधिकारियों ने न्युवोको की इस पहल की सराहना की और कहा कि इस तरह के प्रयास सड़क दुर्घटनाओं को कम करने और सामुदायिक सुरक्षा बढ़ाने में सहायक होते हैं। कार्यक्रम का नेतृत्व न्युवोको विस्टास के सुरक्षा प्रमुख और मानव संसाधन प्रमुख ने किया। इस अवसर पर रवींद्र धारकर प्लांट हेड आरसमेटा सीमेंट प्लांट ने क्षेत्र के नागरिकों और कर्मचारियों के लिए सुरक्षा का संदेश देते हुए कहा न्युवोको विस्टास में सुरक्षा केवल एक नियम नहीं बल्कि हमारी जीवनशैली का हिस्सा है। हमारा मानना है कि हर व्यक्ति जो घर से निकलता है उसे सुरक्षित वापस लौटना चाहिए। सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा केवल एक नारा नहीं है बल्कि यह हम सभी की जिम्मेदारी है। इस अभियान के माध्यम से हम समाज में हेलमेट पहनने की आदत और यातायात नियमों के प्रति सम्मान बढ़ाना चाहते हैं ताकि दुर्घटनाओं को शून्य पर लाया जा सके।

बंदर ने मां की गोद से दूधमुंही बच्ची को छीनकर कुएं में फेंका

हरिभूमि न्यूज ⏭ जांजगीर-चांपा

जिला मुख्यालय के समीपस्थ ग्राम सिवनी में एक बंदर ने मां की गोद से महज 20 दिन की दूधमुंही बच्ची को छीनकर कुएं में फेंक दिया। गनीमत रही कि बच्ची ने डायपर पहन रखा था, जिससे वह पानी में पूरी तरह नहीं डूबी। ग्रामीणों की सूझबूझ और गांव में मौजूद एक नर्स की त्वरित कार्रवाई से मासूम की जान बच पाई। जानकारी के अनुसार ग्राम सिवनी (नैला) निवासी अरविंद राठौर की 20 दिन की पुत्री को उसकी मां गोद में लेकर खाना खिला रही थी। इसी दौरान अचानक एक बंदर आया और बच्ची को मां की गोद से छीनकर भागने लगा। बच्ची को छिनते देख मां जोर-जोर से चिल्लाने लगी, आवाज सुनकर घर के अन्य सदस्य और आसपास के ग्रामीण दौड़ते हुए बाहर निकले और बंदर का पीछा करने लगे। बंदर बच्ची को लेकर इधर-उधर भागता रहा। करीब 10 से 15 मिनट तक ग्रामीणों ने खोजबीन की, लेकिन बंदर के पास बच्ची दिखाई नहीं दी। इसी दौरान ग्रामीणों की नजर पास के एक कुएं पर पड़ी, जहां बच्ची पानी में तैरती हुई नजर आई। बताया गया कि बच्ची लगभग 10 मिनट तक कुएं के पानी में रही और काफी पानी भी पी लिया था। डायपर पहनने की वजह से वह पानी में पूरी तरह नहीं डूबी, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। ग्रामीणों ने तत्काल बाल्टी की मदद से बच्ची को कुएं से बाहर निकाला। उसी समय गांव में कथा सुनने आई नर्स राजेश्वरी राठौर मौके पर मौजूद थीं। उन्होंने बिना समय गंवाए मासूम को तत्काल सीपीआर देना शुरू किया। नर्स की त्वरित प्रतिक्रिया और ग्रामीणों की मदद से बच्ची की सांसें धीरे-धीरे लौटने लगीं। इसके बाद उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसका इलाज शुरू किया।

■ सिवनी का मामला, ग्रामीणों की सूझबूझ और नर्स की तत्परता से मासूम की बची जान

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मिले चंदेल...

जांजगीर-चांपा। छ.ग. विधानसभा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष एवं प्रदेश भाजपा के वरिष्ठ नेता नारायण चंदेल ने भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित होने पर नितिन नबीन से नई दिल्ली में भाजपा के राष्ट्रीय कार्यालय में उनसे मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने श्री नवीन को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। पूर्व नेता प्रतिपक्ष श्री चंदेल को छत्तीसगढ़ प्रदेश से नितिन नबीन के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के निर्वाचन प्रक्रिया में अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ प्रस्ताव के रूप में शामिल किये गये थे। फोटो : हरिभूमि

श्रीराम लला प्राण प्रतिष्ठा वर्षगांठ पर भजन-कीर्तन के साथ महाआरती

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोसला-पामगढ़

श्रीराम की माता कौशल्या की जन्मभूमि कोसला धाम में श्रीराम लला की प्राणप्रतिष्ठा के वर्षगांठ पर संत समागम व भव्य महाआरती का

खास बात

■ कोसला धाम में संत समागम व भव्य महाआरती का हुआ आयोजन

आयोजन किया गया।

पामगढ़ के समीप स्थित कोसला धाम में अयोध्या में भगवान श्री रामलला के प्राण प्रतिष्ठा को दो वर्ष पूरे होने महोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्रद्धा, भक्ति और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला। मंदिर में सुबह से ही भजन कीर्तन और प्रवचन का सिलसिला चलता रहा। साथ ही भंडारे व प्रसाद वितरित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय श्रद्धालु, समाज के प्रबुद्ध नागरिक

श्रीराम लला की प्राण प्रतिष्ठा वर्षगांठ के अवसर पर महाआरती करते जनप्रतिनिधि एवं श्रद्धालुगण।

तथा विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित रहे। माता कौशल्या मंदिर में श्रीराम लला की महाआरती के दौरान "जय श्रीराम" के गगनभेदी जयघोष से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। आयोजन समिति के गौरव तिवारी व देव साहू ने बताया कि आयोजन का मुख्य उद्देश्य सनातन संस्कृति के मूल्यों के प्रति जन-जन में आस्था को प्रबल करना, सामाजिक एकता एवं समरसता को सुदृढ़ करना रहा। आरती उपरांत श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीराम के चरणों में शांति, समृद्धि और सद्भावना की कामना की। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से राम गोपाल दास महाराज (मारुती धाम, देवरघटा), सर्वेश्वर दास महाराज (कोटमी सोनार), विधायक श्रीमती शेषराज हरबंश, पूर्व विधायक अंबेश जांगड़े शमिल हुए। अंत में आयोजकों ने सभी उपस्थित श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों को निरंतर आयोजित करने का संकल्प लिया।

सरस्वती शिशु मंदिर में शिशु नगरी कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ संपन्न

हरिभूमि न्यूज ⏭ अकलतरा

सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अकलतरा में कक्षा अरुण से द्वितीय तक के छात्र-छात्राओं एवं उनकी माताओं का शिशु नगरी कार्यक्रम उत्साह और आनंद के वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉक्टर मधुलिका श्रीवास, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अकलतरा रहीं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजसेवी श्रीमती संतोष अग्रवाल ने की, दीनदयाल अग्रवाल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में छोटे-छोटे शिशुओं ने सब्जी दुकान, फल दुकान, पुस्तक दुकान, खिलौना दुकान, बर्तन दुकान एवं खाने-पीने की दुकानों के माध्यम से बाजार में खरीदी-बिक्री की प्रक्रिया का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त किया। शिशु राम, कृष्ण, डॉक्टर, सैनिक, प्रोफेसर एवं किसान जैसे विभिन्न रूपों में सुसज्जित होकर आए, जो उनके भविष्य के सपनों और सामाजिक योगदान की झलक प्रस्तुत कर रहे थे। इसके अतिरिक्त बच्चों के मनोरंजक खेल एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आकर्षण का केंद्र रहे। शिशुओं की माताओं के लिए कुर्सी दौड़, रंगोली एवं मेहंदी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली माताओं को पुरस्कृत किया गया।कार्यक्रम के दौरान यह संदेश दिया गया कि

कार्यक्रमें मंचस्थ अतिथि एवं उपस्थित बच्चे।

किसी भी शिशु की पहली गुरु उसकी माता होती है, अतः विद्यालय में सिखाई जाने वाली बातों पर घर में भी ध्यान देना आवश्यक है। कार्यक्रम में विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष बिहारी लाल ताम्रकार, कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश साहू, सचिव गोपेश तुलस्यान, सहसचिव अयन जैन सहित सैकड़ों की संख्या में अभिभावक माताएं एवं बंधु उपस्थित रहे।शिशु नगरी आयोजन की प्रस्तावना विद्यालय के प्राचार्य केशव कुमार कौशिक ने प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संचालन सत्या सिंह ने किया। वंदना एवं गीत की प्रस्तुति सुमित्रा धीवर एवं सविता कुम्हार द्वारा दी गई। उल्लासमय वातावरण में शिशु नगरी के सभी कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुए।

ग्राम बम्हनीन में सीसी सड़क का हुआ भूमिपूजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ अकलतरा

छत्तीसगढ़ खनिज विकास निगम के अध्यक्ष सौरभ सिंह के द्वारा ग्राम बम्हनीन में अनूसूचित जाति विकास प्राधिकरण से 10 लाख रुपए की लागत से बनने वाली सीमेंट कांक्रीट सड़क का विधिवत भूमिपूजन कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सौरभ सिंह ने कहा कि सी.सी. सड़क के निर्माण से ग्रामवासियों को आवागमन में बड़ी सुविधा मिलेगी, खासकर बरसात के मौसम में कीचड़ और खराब रास्तों की समस्या से निजात मिलेगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार गांव-गांव तक मूलभूत सुविधाएं पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है और बम्हनीन भी विकास की इस धारा से जुड़ रहा है।उन्होंने ग्राम बम्हनीन में दो अधूरे आंगनबाड़ी केंद्रों का उल्लेख करते हुए उन्हें शीघ्र पूर्ण कर विधिवत एवं सुचारु संचालन प्रारंभ कराने की घोषणा की। इससे क्षेत्र के छोटे बच्चों, गर्भवती महिलाओं एवं माताओं को पोषण और शिक्षा संबंधी सुविधाएं बेहतर रूप से मिल सकेंगी।इसके साथ ही सौरभ सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन से ग्राम बम्हनीन के

भूमि पूजन करते छग खनिज विकास निगम के अध्यक्ष।

लिए ₹5 लाख की अतिरिक्त सी.सी. सड़क भी स्वीकृत की गई है, जिससे गांव के आंतरिक मार्गों का और अधिक सुदृढ़ीकरण होगा।भूमिपूजन कार्यक्रम के उपरांत सौरभ सिंह ने ग्रामवासियों के साथ वृहद जनसंपर्क किया और उनकी समस्याओं, मांगों एवं सुझावों को गंभीरता से सुना। उन्होंने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना उनकी प्राथमिकता है।कार्यक्रम में जिला पंचायत उपाध्यक्ष इंजीनियर सत्यलता मिरी, भाजपा नेता आनंद प्रकाश मिरी, ग्राम बम्हनीन के सरपंच पंकज कुमार मिरी , पवन यादव सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

प्रबल प्रताप सिंह जूदेव ने पैर धोकर धार्मिक ग्रंथ किए भेंट

हिंदू सम्मेलन में 210 मतांतरित परिवारों की हुई घर वापसी

हरिभूमि न्यूज ⏭ चांपा

नगर के परशुराम चौक स्थित भाले राव स्टेडियम में गुरुवार 22 जनवरी को भव्य हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। आयोजित इस सम्मेलन में अखिल भारतीय घर वापसी प्रमुख प्रबल प्रताप सिंह जूदेव ने विशेष रूप से शिरकत की। कार्यक्रम के दौरान 210 मतांतरित परिवारों की विधिवत घर वापसी कराई गई।

इस अवसर पर हवन-पूजन कर, परिवारों के पैर धोकर उन्हें धार्मिक ग्रंथ भेंट किए गए। घर वापसी करने वाले परिवारों में खासा उत्साह देखने को मिला और उन्होंने सनातन धर्म में लौटने पर खुशी जाहिर की। सम्मेलन का उद्देश्य जात-पात में बंटे हिंदुओं को एकजुट कर सनातन धर्म की ओर वापसी के लिए प्रेरित करना रहा। घर वापसी कार्यक्रम को संबोधित करते

पैर धोकर घर वापसी कराते प्रबल प्रताप सिंह जूदेव।

हुए प्रबल प्रताप सिंह जूदेव ने कहा कि देश में धर्म परिवर्तन कराने की गतिविधियां बढ़ी हैं। पहले भय दिखाकर और अब प्रार्थना सभाओं के माध्यम से प्रलोभन देकर भोले-भाले लोगों का धर्म परिवर्तन कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस विषय में राज्य सरकार से कड़े कानून बनाने को लेकर चर्चा हुई है और आगामी सत्र में धर्मांतरण रोकने के लिए सख्त प्रावधान लागू होने की उम्मीद है, जिससे हिंदू समाज सुरक्षित रहेगा। कार्यक्रम में धर्म जागरण से जुड़े अखिल भारतीय पदाधिकारी, ज्योतिष रत्न सहित अन्य वक्ताओं ने हिंदू धर्म के मूल सिद्धांतों और सांस्कृतिक परंपराओं पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने अपील की कि कोई भी परिवार प्रलोभन या बहकावे में आकर अपना धर्म न बदले और अपनी देवी-देवताओं व परंपराओं से जुड़े रहें। सम्मेलन में शामिल होकर घर वापसी करने वाले परिवारों ने कहा कि वे अब किसी भी प्रकार के बहकावे में नहीं आएंगे और सनातन धर्म के मार्ग पर चलेंगे। वहीं हिंदू धर्म जागरण संगठन ने भविष्य में नगर, जिला और प्रदेश स्तर पर ऐसे सम्मेलन आयोजित करने, गांव-गांव जाकर जागरूकता अभियान चलाने और अधिक से अधिक मतांतरित परिवारों की घर वापसी कराने की योजना की घोषणा की।